fhindia
Family Health India

Godrej embed
Elimination of Mosquito Borne Endemic Diseases

ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस के दौरान उपयोग हेतु माड्यूल

स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दिन वाहक जनित बीमारियों से संबंधित प्रमुख गतिविधियां

- सबसे पहले आशा/मितानिन/ANM/आंगनबाड़ी दीदी से मिलकर अपने चौपाल रजिस्टर में गर्भवती माताओं और 0-5 वर्ष के बच्चो की जानकारी अपडेट करें|
- आशा के साथ मिलकर सभी गर्भवती माताओं, धात्री माहिलाओ एवं 0- 5 वर्ष के बच्चे के घर जा कर उन्हें VHND में टीकाकरण कार्ड के साथ उपस्थित होने के लिए आमंत्रित केरें|
- **प्रत्येक HND के दौरान निम्नलिखित प्रदर्शन को सुनिश्चित करें –**
  1. HND होने के स्थान पर सही तरीके से मच्छरदानी लगाकर प्रदर्शन सुनिश्चित करें|
  2. अंडा/लार्वा/प्यूपा का प्रदर्शन करें|
  3. मॉडर्न मेथड सम्बंधित सामग्री -जैसे – कॉइल, अगरबत्ती, वेपोराईजर आदि का प्रदर्शन करें|
- **BCCF द्वारा HND साईट में काउंसिलिंग कॉर्नर तैयार किया जाय जहां लाभार्थीओ को टीकाकरण करवाने के पहले या बाद में वाहक जनित बीमारियों पर काउंसलिंग सुनिश्चित की जाये|**
- गर्भवती महिला के आने पर उसकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे- नाम, गर्भावस्था का माह, कार्ड है या नहीं, टीका लगे या नहीं, एवं पिछले माह मलेरिया की जाँच हुई थी या नहीं, एवं सम्बंधित जानकारी को पता करें |
- इसके बाद डेंगू मलेरिया से सम्बन्धित जानकारी पूछे, जैसे-
  1. पिछली बार बुखार कब आया था ?
  2. बुखार आने पर उन्होंने क्या किया (खून जाँच, उपचार, दुबारा खून जाँच) ?
  3. घर में मच्छरदानी की उपलब्धता एवं पिछली रात मच्छरदानी का उपयोग किया था या नहीं ?
  4. मॉडर्न मेथड के उपयोग के बारे मे पूछें
- लाभार्थी के अनुसार ही लाभार्थी को IEC के माध्यम से मलेरिया/डेंगू सम्बंधित परामर्श (गर्भवती एवं 0- 5 वर्ष के बच्चे को मलेरिया से होने वाले नुकसान एवं बचाव) दे एवं अगर कोई भी सामग्री उपयोग में ला रहे है तो सराहना करें|
- परामर्श देते समय इस बात का ध्यान रखे की गर्भवती माता अपनी हर बार मलेरिया की जांच खुद से कराये एवं परिणाम की भी जानकारी लें और याद भी रखे|
- अगर कोई भी गर्भवती महिला मलेरिया पाज़िटिव है तो उसका सम्पूर्ण इलाज़ सुनश्चित करवाएं|
- ANM को टीकाकरण करने में मदद करें|
- जो लाभार्थी HND में नहीं आये उनके घर जाये एवं न आने का कारण पूछे व अगले HND में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें|
- साथ ही कोशिश करें की आपके साथ ANM भी जाये और उनसे सम्बंधित जांच व उपचार उपलब्ध कराये|
- आखिरी में जितनी भी गर्भवती माताओं की मलेरिया की जाँच हुई है उसे अपने रजिस्टर में लिखे और APP मे अपडेट करें|

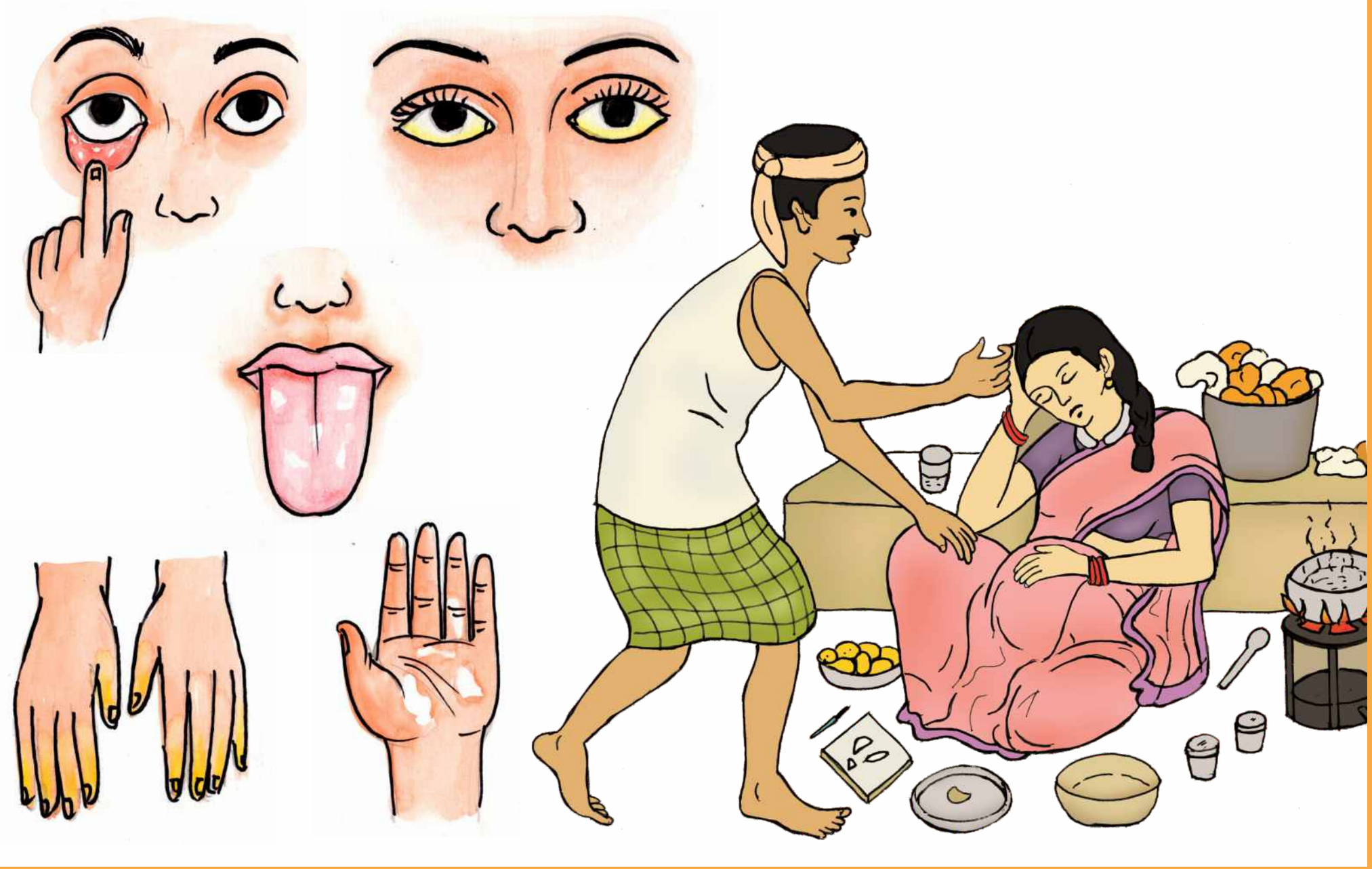

गर्भवती माताओं के लिए परामर्श कार्ड

ध्यान देने हेतु प्रमुख बाते :-

गर्भावस्था के दौरान महिला के शरीर में हार्मोन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में बदलाव होने के कारण गर्भवती माता को मलेरिया होने का खतरा बढ़ जाता है |

पहली गर्भावस्था के दौरान मलेरिया होने का खतरा और भी बढ़ जाता है |

गर्भवती माताओं में मलेरिया होने से क्या क्या खतरे हो सकते है :-

- खून की कमी होना (एनीमिया)
- पीलिया
- गर्भपात का खतरा
- कम समय का प्रशव हों जाना
- बच्चेदानी के अन्दर गर्भ का काम विकसित होना (फीटल डिस्ट्रेस)
- दीर्घकालीन- निम्न रक्त शर्करा(लो ब्लड शुगर), हाईपोग्लाईसीमिया
- निम्न रक्तचाप (लो ब्लडप्रेशर)
- उच्च रक्तचाप (हाईपरटेंशन)
- फेफड़ो की हवा की थैलियो में तरल इकठ्ठा हो जाना जिससे साँस लेना मुश्किल हो जाना (पल्मोनरी एडिमा)
- गुर्दे ख़राब होना (किडनी फेल्यर)
- यकृत ख़राब होना (लीवर फेल्यर)
- महिला की मृत्यु का खतरा
- शिशु का मृत जन्म
- कम बजन का बच्चा होना (2.5 किलो से कम जिससे शिशु की मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है)

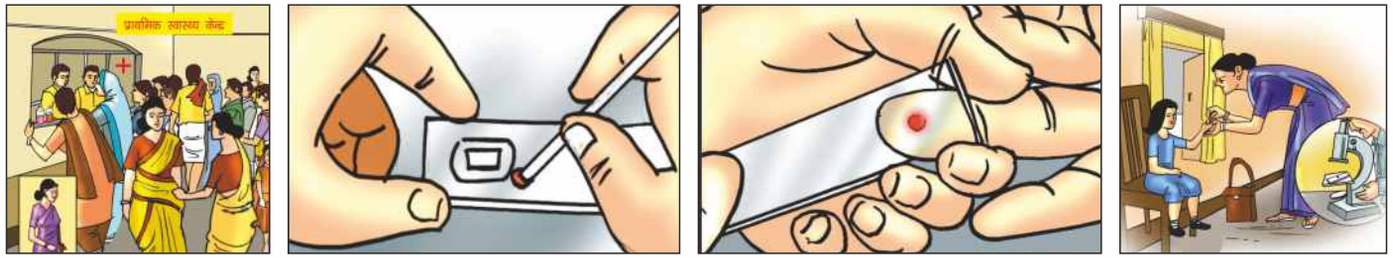
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

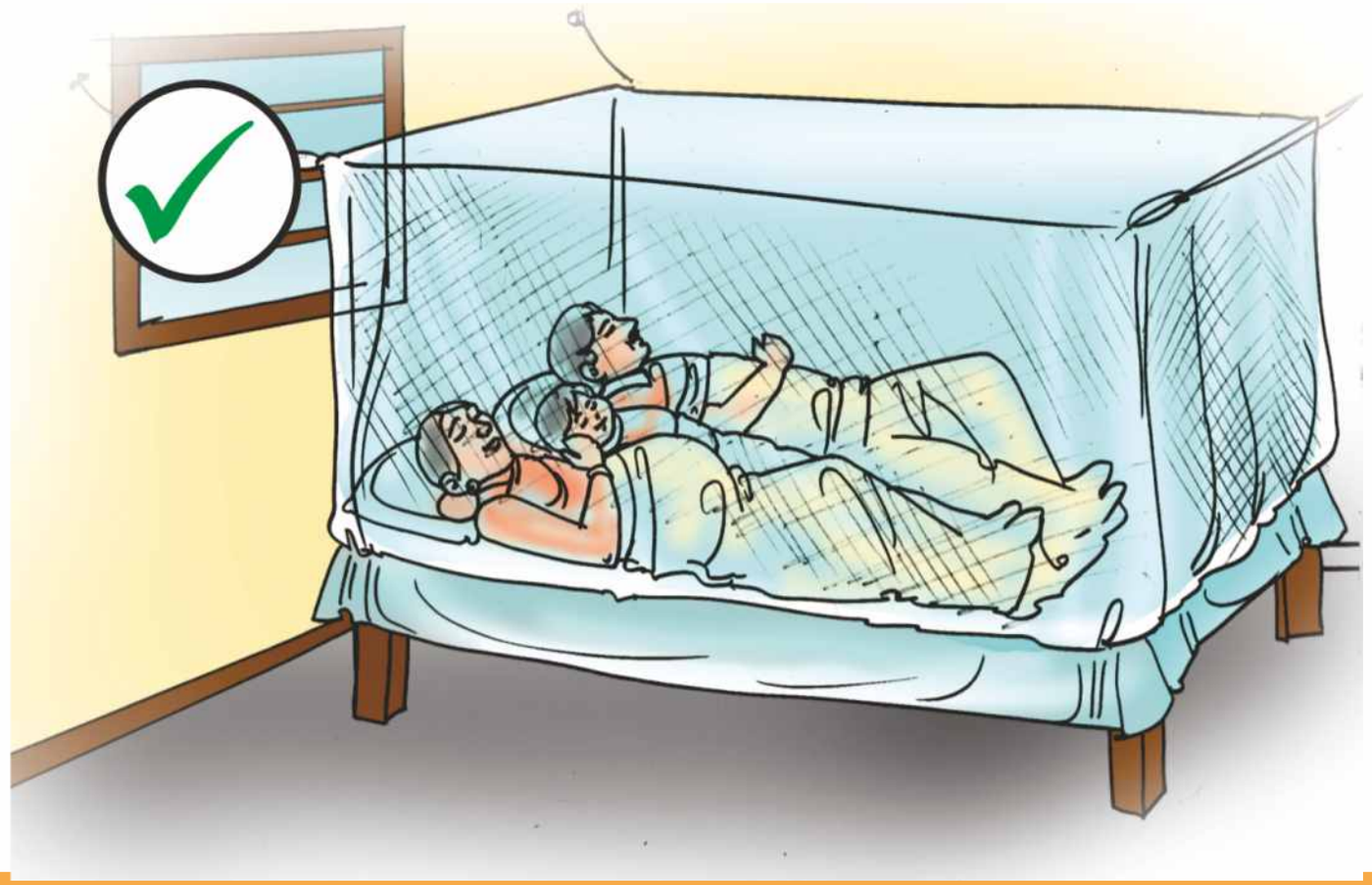

गर्भवती माताओं को मलेरिया से बचाव हेतु ध्यान देने हेतु प्रमुख बिंदु

गर्भवती माताओं को मलेरिया से बचाव हेतु महत्वपूर्ण संदेश :-

- गर्भवती माता को हर बार (गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार बार) HND में जाकर मलेरिया की जाँच सुनिश्चित करवाना |
- सोते समय गर्भवती माताओं को रोज मच्छरदानी जरुर लगानी चाहिए |
- गर्भवती माता के परिवार के किसी भी सदस्य को अगर बुखार हुआ तो तुरंत 24 घंटे के अन्दर मलरिया एवं डेंगू के लिए खून की जाँच जरुर करवाएं |
- गर्भवती माता के परिवार के किसी सदस्य को अगर मलेरिया पाज़िटिव मिलता है तो परिवार के सभी सदस्यों की खून की जाँच अवश्य करवाएं |
- अगर गर्भवती माता को मलेरिया पाज़िटिव निकले तो उनका इलाज ANM या डॉक्टर की निगरानी में ही सुनिश्चित करवाना चाहिए |

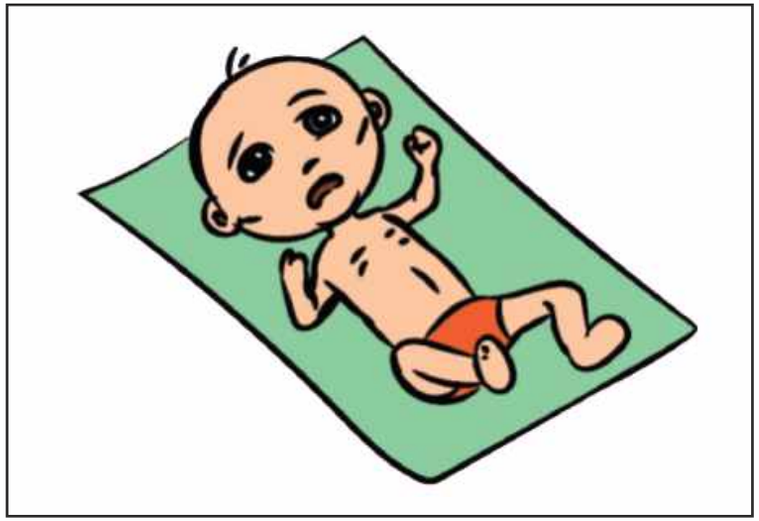

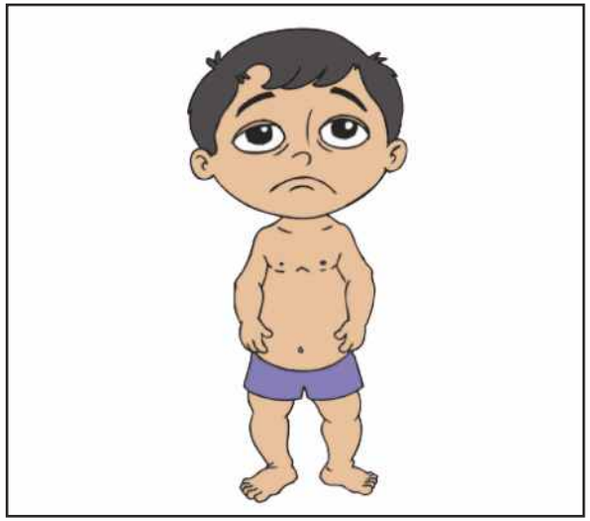

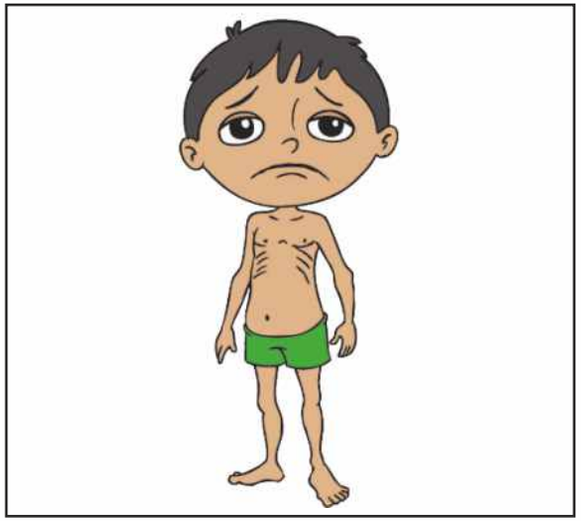

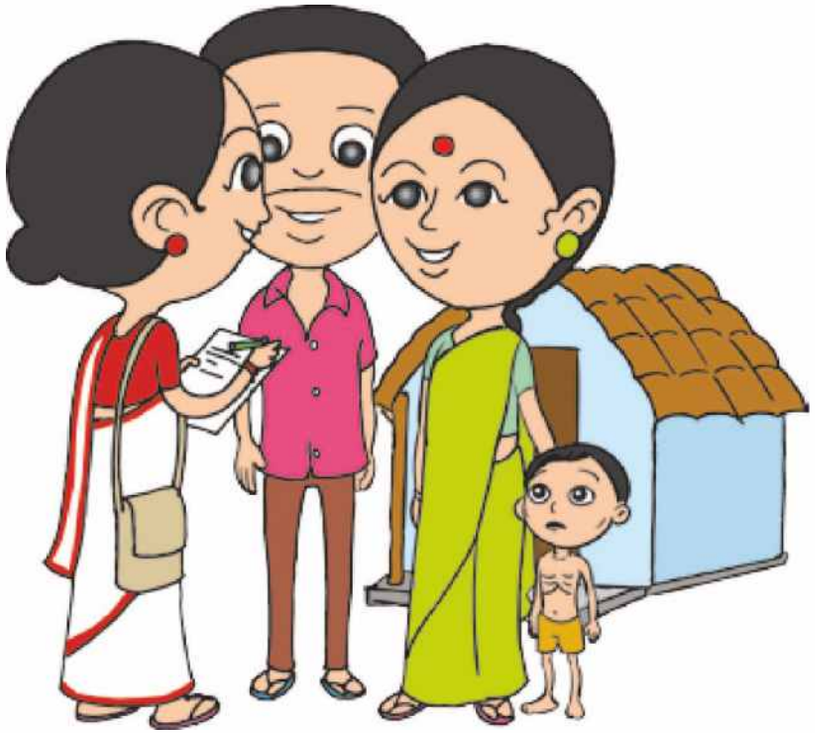

2500 gm

0 से 5 वर्ष के बच्चो के लिए परामर्श कार्ड

0 से पांच वर्ष के बच्चो में मलेरिया से क्या क्या खतरे हो सकते है :-

ध्यान देने हेतु प्रमुख बाते :-

पांच साल से छोटे बच्चो की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है इसलिए उन्हें मलेरिया होने का खतरा बढ़ जाता है |

0 से पांच वर्ष के बच्चो में मलेरिया से क्या क्या खतरे हो सकते है :-

- **कुपोषण होना**
- **खून की कमी हो जाना (एनीमिया)**
- **शारीरिक और मानसिक विकास में रुकावट होना |**

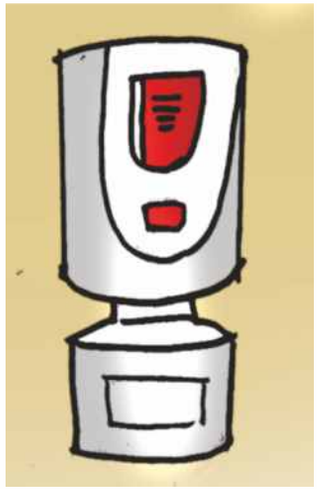

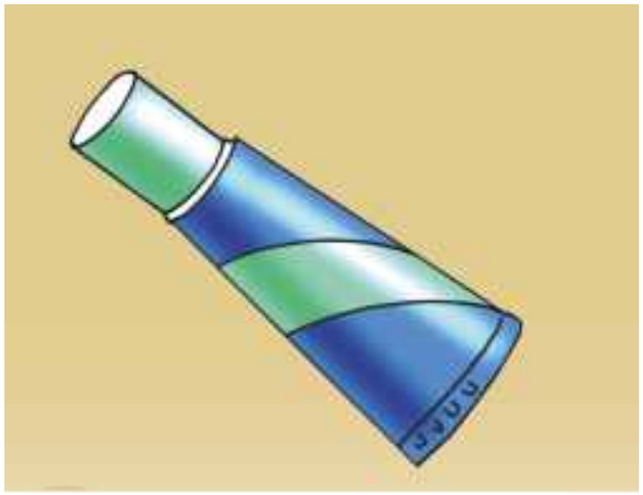

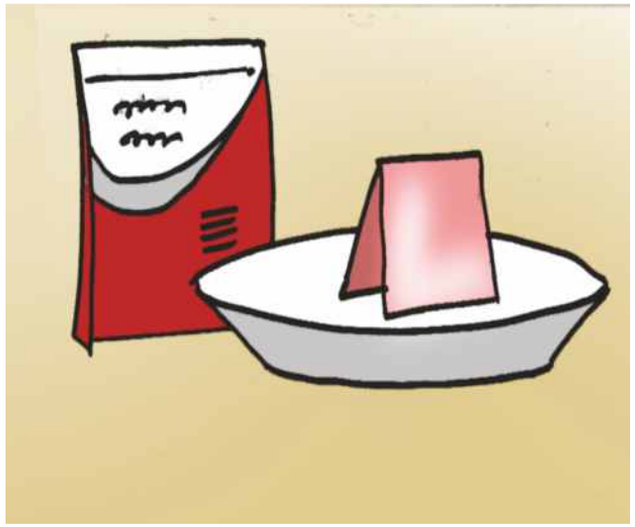

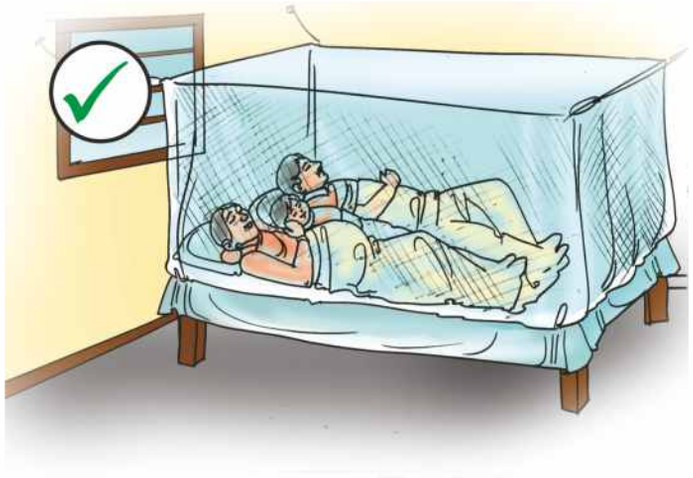

0 से 5 वर्ष के बच्चो के लिए महत्वपूर्ण संदेश

- पांच साल से कम उम्र के बच्चो को को रोज मच्छरदानी में जरुर सुलाना चाहिए |
- घर में शाम के समय कोई मच्छर भागने वाले साधन जैसे, अगरबत्ती, कोइल, रोज जरुर लगाना चाहिए
- अगर पांच साल से कम उम्र के बच्चो को मलेरिया पाज़िटिव निकले तो उनका इलाज 24 घंटे में में ही सुनिश्चित करवाना चाहिए |
- पांच साल से कम उम्र के बच्चो के घर में अगर किसी भी सदस्य को बुखार हुआ तो तुरंत 24 घंटे के अन्दर खून की जाँच जरुर करवाए |
- पांच साल से कम उम्र के बच्चो के परिवार के किसी सदस्य को अगर मलेरिया या डेंगू पाज़िटिव मिलता है तो परिवार के सभी सदस्यों की खून की जाँच जरुर करवाए |

fhindia
Family Health India

Godrej embed
Elimination of Mosquito Borne Endemic Diseases